UTKARSH CLASSES

For Session
2022-23

RBSE

राजनीति विज्ञान

CLASS-XII

मॉडल पेपर्स

सॉल्यूशन सहित

RBSE द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम व ब्लूप्रिंट पर
आधारित नवीनतम मॉडल पेपर

राजनीति विज्ञान (11)

MODEL PAPER 4 (RBSE)

कक्षा-XII

समय : 3 घंटे 15 मिनट | पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

खण्ड-"अ"

1. बहुविकल्पी प्रश्न -

(i) गुट निरपेक्ष आंदोलन का प्रथम शिखर सम्मेलन किस स्थान पर आयोजित किया गया था? [1]

(अ) नई दिल्ली (भारत) (ब) बांडूग (इण्डोनिशिया)
(स) बेलग्रेड (युगोस्लाविया) (द) इस्लामाबाद (पाकिस्तान)

(ii) "1991 में येल्तसिन के नेतृत्व में तीन बड़े राज्यों ने सोवियत संघ के नियंत्रण से स्वतंत्रता की घोषणा की" कौनसा विकल्प असंगत है? [1]

(अ) रूस (ब) बेलारूस
(स) यूक्रेन (द) एस्टोनिया

(iii) हंगरी के जन-आंदोलन को दबाने में सोवियत संघ के किस नेता की भूमिका थी? [1]

(अ) ख्रुश्चेव (ब) ब्रेझनेव
(स) लेनिन (द) स्टालिन

(iv) भारत ने 1987 में शांति सेना किस देश में भेजी? [1]

(अ) पाकिस्तान (ब) श्रीलंका
(स) बांग्लादेश (द) नेपाल

(v) संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना कब हुई? [1]

(अ) 10 अक्टूबर 1945 (ब) 10 जनवरी 1920
(स) 24 अक्टूबर 1945 (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(vi) रासायनिक हथियारों से संबंधित संधि (CWC) पर कितने देशों ने हस्ताक्षर किए थे? (RBSE - 2016) [1]

(अ) 181 (ब) 150
(स) 160 (द) 170

(vii) 1959 में केरल की प्रथम गैर कांग्रेसी सरकार को किस आधार पर निलंबित किया गया? [1]

(अ) अनुच्छेद 356 (संवैधानिक तंत्र विफलता का आधार)
(ब) अनुच्छेद 352 (बाहरी आक्रमण / आंतरिक अशांति)
(स) अनुच्छेद 360 (वित्तीय संकट)
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(viii) 'पोस्को प्लांट' का संबंध भारत के किस राज्य से है? [1]

(अ) पश्चिमी बंगाल (ब) उड़ीसा
(स) राजस्थान (द) पंजाब

(ix) विश्व बैंक की मध्यस्थता से भारत और पाकिस्तान के बीच किस जल-नदी विवाद को सुलझाया गया था? [1]

(अ) सिंधु जल विवाद (ब) गंगा जल विवाद
(स) ब्रह्मपुत्र जल विवाद (द) यमुना जल विवाद

(x) सन् 1977 में बनी प्रथम गैर-कांग्रेसी सरकार का नेतृत्व किसने किया। [1]

(अ) अटल बिहारी वाजपेयी (ब) बाबू जगजीवन राम
(स) जयप्रकाश नारायण (द) मोरारजी देसाई

(xi) द्रविड़ आन्दोलन के प्रणेता कौन थे? [1]

(अ) अंगमी जापू फिजो (ब) लालडेंगा
(स) ई.वी. रामास्वामी नायकर (द) प्रकाश सिंह बादल

(xii) 1989 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने कितनी सीटें प्राप्त की? [1]

(अ) 197 (ब) 190
(स) 297 (द) 161

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(i) बगदाद समझौते को बाद में ___________ नाम से जाना जाने लगा। [1]

(ii) सुरक्षा परिषद में _______ स्थाई और दस अस्थायी सदस्य हैं। [1]

(iii) चौधरी चरण सिंह ने भारतीय अर्थ व्यवस्था के नियोजन में _________ को केंद्र में रखने की बात बड़े दमदार ढंग से उठाई। [1]

UTKARSH CLASSES
Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

(iv) द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान इण्डियन नेशनल आर्मी (आई.एन.ए.) का गठन __________ ने किया था। [1]

(v) सन् __________ के मार्च माह में बढ़ती हुई कीमतों, खाद्यान्न का अभाव, बेरोजगारी व भ्रष्टाचार बिहार आन्दोलन के मुख्य कारण थे। [1]

(vi) पंजाब के अकाली दल के कट्टरपंथी लोगों ने 1973 में ______________ पारित किया तथा यहीं से पंजाब में खालिस्तान की मांग धीरे-धीरे तेज होने लगी। [1]

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न -

(i) सोवियत संघ के विघटन के समय सोवियत संघ का राष्ट्रपति कौन था? [1]

(ii) सोवियत संघ का विघटन कब हुआ? [1]

(iii) 'पेरेस्त्रोईका' व 'ग्लासनोस्त' नीतियां कब व किस सोवियत राष्ट्रपति ने अपनाई? [1]

(iv) सोवियत संघ के संदर्भ में 'माफिया वर्ग' से क्या तात्पर्य है? [1]

(v) सार्वजनिक वस्तुओं के दो उदाहरण प्रस्तुत कीजिए जिनका उल्लेख अमेरिकी वर्चस्व के संदर्भ में किया गया है। [1]

(vi) प्रथम खाड़ी युद्ध के दौरान चलाये गये ऑपरेशन को किस नाम से जाना जाता है? [1]

(vii) भारत में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम कब पारित किया गया? [1]

(viii) वर्ल्ड सोशल फोरम की प्रथम बैठक का आयोजन कब व कहाँ किया गया? [1]

(ix) मानवाधिकार कार्यकर्ता, पर्यावरणवादी, मजदूर कार्यकर्ताओं ने मिलकर पर्यावरण सुरक्षा के लिये कौनसा संगठन बनाया? [1]

(x) 'लिमिट्स टू ग्रोथ' पुस्तक का प्रकाशन किसके द्वारा करवाया गया? [1]

(xi) '1988 के भारतीय किसान यूनियन के आंदोलन का नेतृत्व किसके द्वारा किया गया था? [1]

(xii) केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय पुनर्वास नीति की घोषणा कब की गई? [1]

खण्ड-"ब"

लघूत्तरात्मक प्रश्न - (उत्तर सीमा लगभग 50 शब्द)

4. 'ऑपरेशन इराकी फ्रीडम' पर टिप्पणी लिखिए। [2]
5. दक्षिण एशिया के देशों के बीच क्या-क्या समस्याएँ हैं? [2]
6. श्रीलंका में जातीय संघर्ष पर प्रकाश डालिए - (RBSE - 2013) [2]
7. सुरक्षा परिषद के गठन पर प्रकाश डालिए। [2]
8. क्योटो प्रोटोकॉल क्या है, इसमें कौनसे दिशा निर्देश दिए गए हैं? [2]
9. 'विश्व की साझी विरासत' से आपका क्या अभिप्राय है, इसका दोहन किस प्रकार किया जा रहा है? [2]
10. विश्व के 'मैक्डोनॉल्डीकरण' से क्या अभिप्राय है? [2]
11. भारत में कांग्रेस के एक पार्टी प्रभुत्व के दौर की तुलना अन्य देशों के एक दलीय प्रभुत्व से कीजिए। [2]
12. 1960 के दशक की कांग्रेस पार्टी के संदर्भ में 'सिंडिकेट' का क्या अर्थ है? [2]
13. 'प्रिवी पर्स' से क्या तात्पर्य है? (RBSE - 2015) [2]
14. 'दलित पैंथर्स' का गठन कब व क्यों किया गया? [2]
15. 'असम समझौता' कब हुआ? इसकी प्रमुख बात क्या थी? [2]
16. मिजो अलगाववादी आन्दोलन को जन समर्थन क्यों और कैसे प्राप्त हुआ? [2]

खण्ड-"स"

दीर्घउत्तरीय प्रश्न - (उत्तर सीमा लगभग 100 शब्द)

17. 'योजना आयोग का गठन नीति निर्देशक सिद्धांतों को लागू करने के उद्देश्य से किया गया था।' किन आधारों पर इस तर्क का स्पष्टीकरण किया जा सकता है? [3]
18. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: [3]
    (i) भारत की परमाणु नीति
    (ii) विदेश नीति के मामलों पर सर्व-सहमति।
19. लोकनायक जयप्रकाश नारायण के जीवन का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनके महत्त्वपूर्ण कार्यों का वर्णन कीजिए। [3]
20. आपातकाल के बाद के दौर में भाजपा एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभरी। इस दौर में इस पार्टी के विकास-क्रम का उल्लेख करें। [3]

खण्ड-"द"

निबन्धात्मक प्रश्न - (उत्तर सीमा लगभग 250 शब्द)

21. 'शीतयुद्ध की तासीर ठंडी थी' इस कथन की व्याख्या कीजिए - [4]

    अथवा

    गुटनिरपेक्षता का अर्थ बताते हुए समझाइए कि यह तटस्थतावाद व पृथकतावाद से किस प्रकार भिन्न था?

22. यूरोपीय संघ सत्ता के वैकल्पिक केन्द्र के रूप में किस प्रकार उभरा है? [4]

    अथवा

    आसियान मूलरूप से एक आर्थिक संगठन है। क्या आप इस बात से सहमत है? समझाइये।

23. देशी रियासतों के एकीकरण में सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान पर प्रकाश डालिए। [4]

    अथवा

    'क्या भारत विभाजन अनिवार्य था।' इस कथन की समीक्षा कीजिए और परिणाम बताइए।

UTKARSH CLASSES
Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

उत्तरमाला मॉडल पेपर -04

खण्ड-"अ"

1. बहुविकल्पीय प्रश्न -

(i) [स]

युगोस्लाविया के बेलग्रेड शहर में 1961 में गुटनिरपेक्ष आंदोलन का प्रथम शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें 25 देशों ने भाग लिया।

(ii) [द]

1991 में बोरिस येल्तसिन के नेतृत्व में रूस, यूक्रेन तथा बेलारूस ने सोवियत संघ के नियंत्रण से स्वतंत्रता की घोषणा की।

(iii) [अ]

1956 में हंगरी में सोवियत नियंत्रण के विरूद्ध जनआंदोलन भड़का जिसे तत्कालीन सोवियत नेता ख्रुश्चेव ने सेना द्वारा कुचला।

(iv) [ब]

1987 में राजीव गांधी - जयवर्धने समझौता संपन्न हुआ जिसके अंतर्गत भारत ने अपनी शांति सेना श्रीलंका में जातीय संघर्ष को शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त करने के उद्देश्य से भेजी।

(v) [स]

द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के पश्चात् 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना की गई जिसका उद्देश्य विश्व में शांति स्थापित करना था।

(vi) [अ]

रासायनिक हथियारों संबंधित संधि (CWC) पर 181 देशों ने हस्ताक्षर किए।

(vii) [अ]

1957 में केरल में बनी पहली गैर कांग्रेसी सरकार को 1959 में अनुच्छेद 356 (संवैधानिक तंत्र विफल) के आधार पर भंग किया गया।

(viii) [ब]

उड़ीसा के भुवनेश्वर में तत्कालीन उड़ीसा सरकार ने पोस्को प्लांट की योजना बनाई जिसका विरोध स्थानीय आदिवासी लोगों द्वारा किया गया।

(ix) [अ]

भारत व पाकिस्तान के बीच 19 सितम्बर 1960 में सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए गए। इस संधि पर पंडित नेहरू तथा अय्यूब खान ने हस्ताक्षर किए।

(x) [द]

1977 में बनी पहली गैर कांग्रेसी सरकार के प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई थे तथा इसी सरकार के दूसरे प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह बने।

(xi) [स]

ई वी रामास्वामी नायकर (पेरियार) द्रविड़ आंदोलन के प्रणेता थे। इनके द्वारा जातिगत भेद को समाप्त करने के आंदोलन का प्रारंभ किया गया। यह आंदोलन आगे चलकर हिंदी विरोधी आंदोलन बन गया।

(xii) [अ]

1989 के आम चुनावों में कांग्रेस ने केवल 197 सीटें जीती तथा इस चुनाव में जनता दल के नेतृत्व में गठबंधन सरकार बनीं।

2. रिक्त स्थान की पूर्ति -

(i) सेन्टो
(ii) पाँच
(iii) कृषि
(iv) सुभाष चन्द बोस
(v) 1974
(vi) आंनदपुर साहिब प्रस्ताव

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न -

(i) सोवियत संघ के विघटन के समय मिखाइल गोर्बाचेव सोवियत संघ के राष्ट्रपति थे।

(ii) 25 दिसंबर 1991 को मिखाइल गोर्बाचेव द्वारा राष्ट्रपति पद से त्यागपत्र देते ही सोवियत संघ का पतन हो गया।

(iii) मिखाईल गोर्बाचेव ने 'पेरेस्त्रोइका' और 'ग्लासनोस्त' नामक दो सुधार नीतियाँ 1985 में अपनाई थी।

(iv) 'माफिया वर्ग' को जरायमपेश लोग भी कहते हैं। इन्होंने सोवियत संघ के विघटन के बाद अधिकतर आर्थिक गतिविधियों को अपने नियंत्रण में ले लिया। अत: धनी व निर्धन लोगों के बीच काफी गहरी खाई स्थापित हो गई।

(v) 1. समुद्री व्यापार मार्ग (सी लेन ऑव कम्युनिकेशन्स - SLOCs), 2. इंटरनेट

(vi) 'ऑपरेशन डेजर्ट स्टॉर्म'

(vii) 2001 में

(viii) 2001 में पोर्टो अलगेरे (ब्राजील) में

(ix) वर्ल्ड सोशल फोरम (WSF)

(x) क्लब ऑव रोम

(xi) महेंद्र सिंह टिकैत

(xii) 2003 में

खण्ड-"ब"

लघूत्तरात्मक प्रश्न -

4. 19 मार्च 2003 को अमेरिका ने ऑपरेशन इराकी फ्रीडम के कूट नाम से इराक पर सैन्य हमला किया। अमेरिकी नेतृत्व वाले 'कॉअलिशन ऑव वीलिंग्स' (आकांक्षियों के मजाजोट) में 40 से ज्यादा देश शामिल हुए। अमेरिका ने इराक पर सामूहिक संहार के

UTKARSH CLASSES
Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

हथियार रखने का आरोप लगाया। अमेरिका के इस अभियान में 50 हजार से अधिक इराकी नागरिक मारे गए तथा 3 हजार अमेरिकी सैनिक मारे गए।

भारतीय उपमहाद्वीप के देशों को दक्षिण एशिया कहा जाता है जिनके बीच अनेक मुद्दों को लेकर आपसी तनाव है।

5. (i) भारत और पाकिस्तान के बीच आतंकवाद व कश्मीर समस्या।
(ii) श्रीलंका में तमिल अप्रवासियों की समस्या।
(iii) हिंद महासागर में महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा।
(iv) परमाणु हथियार प्रतिस्पर्धा।
(v) नदी-जल बँटवारे को लेकर विवाद।

6. **श्रीलंका में जातीय संघर्ष के चार कारण निम्न हैं -**
श्रीलंका में 74 प्रतिशत सिंहली है जबकि तमिल अल्पसंख्यक है, श्रीलंका सरकार की तमिलों के प्रति भेदभाव तथा उपेक्षा की नीति ने जातीय संघर्ष को बढ़ाया है, श्रीलंका के उत्तर पूर्वी हिस्से पर LTTE (लिट्टे) का नियंत्रण है, उन्होंने अलग राज्य की माँग की हैं। लिट्टे ने अपनी माँगों को मनवाने के लिए हिंसात्मक रास्ता अपनाया, तमिलों के प्रति उपेक्षा भाव से उग्र तमिल राष्ट्रवाद की भावना उत्पन्न हुई तथा श्रीलंका में गृहयुद्ध ने जन्म ले लिया।

7. सुरक्षा परिषद संयुक्त राष्ट्र संघ का सबसे महत्वपूर्ण अंग माना जाता है। इसकी कुल सदस्य संख्या 15 है जिसमें से 5 स्थाई सदस्य तथा 10 अस्थाई सदस्य होते हैं। 10 अस्थाई सदस्यों का चुनाव प्रति 2 वर्ष के लिए किया जाता है। सुरक्षा परिषद के पांच स्थाई सदस्यों को निषेधाधिकार प्राप्त होता है। अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन स्थाई सदस्य है।

8. विश्व को पर्यावरण के खतरे से बचाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किए जाने वाले सम्मेलनों की श्रेणी में 1997 में जापान के क्योटो शहर में जिस सम्मेलन का आयोजन किया गया उसे 'क्योटो प्रोटोकोल' कहते हैं, इसके दिशा निर्देशों में प्रमुख निर्देश - वैश्विक ताप वृद्धि पर नियंत्रण रखने के लिए ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करना है।

9. विश्व की साझी विरासत उस साझी संपदा या संसाधनों को कहते हैं जिस पर किसी एक समुदाय या राष्ट्र का अधिकार नहीं होता बल्कि जिसका प्रयोग पूरा विश्व कर सकता है जैसे अंटार्कटिका, बाहरी अंतरिक्ष, समुद्र, वायुमंडल इत्यादि। विश्व के सभी देश अंटार्कटिका पर बहुत सारे वैज्ञानिक परीक्षण कर रहे हैं परिणाम स्वरूप यह निर्जन क्षेत्र गहन प्रदूषण का शिकार हुआ है तथा यहां ओजोन परत बहुत कमजोर हुई है जिससे वैश्विक ताप वृद्धि हुई है।

10. विश्व के 'मैक्डोनॉल्डीकरण' से अभिप्राय यह है कि सम्पूर्ण विश्व पर कुछ ताकतवर शक्तियों, जैसे-संयुक्त राज्य अमेरिका का सांस्कृतिक प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है। विश्व में नीली जीन्स व बर्गर की लोकप्रियता का नजदीकी रिश्ता अमेरिकी जीवन-शैली से है। मैक्डोनॉल्डीकरण के अन्तर्गत विश्व वैसा ही बनता जा रहा है जैसा अमेरिकी सांस्कृतिक जीवन-शैली बनाना चाहती है।

11. चीन, क्यूबा, सीरिया जैसे देशों में कम्युनिस्ट पार्टी एक दलीय प्रभुत्व के रूप में स्थापित थी इनमें से कई देशों में अन्य राजनीतिक दलों को संवैधानिक तौर पर मान्यता प्राप्त नहीं थी। मेक्सिको में पी आर आई पार्टी का तानाशाही पूर्ण शासन था। जबकि भारत में कांग्रेस के सामने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, स्वतंत्र पार्टी, भारतीय जनसंघ, सोशलिस्ट पार्टी जैसे अनेक राजनीतिक दल थे तथा स्वतंत्रता पूर्वक चुनाव होते थे। भारत के एक दलीय प्रभुत्व के दौर को निरंकुश या तानाशाही पूर्ण नहीं कहा जा सकता बल्कि यह लोकतांत्रिक एक दलीय प्रभुत्व वाली बहुदलीय व्यवस्था थी।

12. सिंडिकेट कांग्रेस के भीतर ही कुछ ताकतवर व प्रभावशाली नेताओं का समूह था। सिंडिकेट का नेतृत्व तमिलनाडू के भूतपूर्व मुख्यमंत्री के. कामराज ने किया था, जो कि उस समय कांगेस पार्टी के अध्यक्ष भी थे। इसमें कुछ शक्तिशाली नेता, जैसे - एस. के. पाटिल, एस. निजलिंगप्पा, एन. संजीव रेड्डी और अतुल्य घोष शामिल थे।

13. भारत की स्वतंत्रता के समय देशी रियासतों को भारतीय संघ में विलय करते समय दिये गये विशेष अधिकार को प्रिवी पर्स के नाम से पुकारा जाता था। इस अधिकार के अंतर्गत शासक के परिवार को निश्चित मात्रा में निजी सम्पदा रखने का अधिकार दिया जाता था साथ ही सरकार इन्हें विशेष भत्ता देती थी। जो उस रियासत की आर्थिक क्षमता व विस्तार के आधार पर होता था।

14. दलित पैंथर्स का गठन 1972 में महाराष्ट्र के दलित युवाओं के द्वारा किया गया था। दलित युवाओं ने इस संगठन की स्थापना जातिगत भेदभाव को समाप्त करने के लिए कानून बनाने तथा सामाजिक न्याय की नीतियों को कारगर तरीके से लागू करने के लिए किया था।

15. असम समझौता राजीव गाँधी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार व ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) के मध्य सन् 1985 में हुआ था। लगभग 6 वर्ष की लगातार अस्थिरता के पश्चात् यह समझौता हुआ। इस समझौते के तहत यह तय किया गया कि जो लोग बांग्लादेश युद्ध के दौरान अथवा उसके पश्चात् के वर्षों में असम आए हैं, उनकी पहचान की जायेगी एवं उन्हें वापस भेजा जायेगा। इस प्रकार असम समझौते से शान्ति स्थापित हुई।

16. 1959 में मिजो पर्वतीय क्षेत्र में भारी अकाल पड़ा। असम की तत्कालीन सरकार इस अकाल का समुचित प्रबंध करने में असफल रही। असम सरकार की अनदेखी के कारण अलगाववादी आन्दोलन को जनसमर्थन मिलना शुरू हो गया। लालडेंगा के नेतृत्व

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

में मिजो लोगों ने असंतोष व्यक्त करते हुए मिजो नेशनल फ्रंट बनाया।

खण्ड-"स"

दीर्घउत्तरीय प्रश्न -

17. योजना आयोग का उल्लेख संविधान में नहीं था इसकी स्थापना केंद्र सरकार के द्वारा एक प्रस्ताव पारित करने के पश्चात हुई। यह एक सलाहकारी संस्थान के रूप में स्थापित किया गया, जिसका कार्य देश के विकास के लिए योजनाओं का निर्माण करना था। भारतीय संविधान के नीति निर्देशक तत्व में इस बात का उल्लेख किया गया था कि राज्य ऐसे समाज रचना को बनाएगा जिसमें लोगों की भलाई हो तथा सभी संस्थाएं सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की भावना से अनुप्राणित हो अतः राज्य नीति का निर्माण करते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखेगा।

(i) स्त्री और पुरुष सभी नागरिकों को आजीविका के पर्याप्त साधनों का बराबर अधिकार हो।

(ii) समुदाय के भौतिक संसाधनों की मिल्कियत पर नियंत्रण को इस तरह बांटा जाएगा कि उससे सभी की भलाई हो।

(iii) अर्थव्यवस्था का संचालन इस तरह नहीं किया जाएगा कि धन अथवा उत्पादन के साधन कुछ लोगों के हाथों में केंद्रित हो जाए, जिससे जनसामान्य की भलाई बाधित हो।

18. **(i) भारत की परमाणु नीति** - भारत ने परमाणु नीति में सैद्धांतिक तौर पर यह बात स्वीकार की कि भारत अपनी रक्षा के लिए परमाणु हथियार रखेगा, लेकिन इन हथियारों का प्रयोग पहले नहीं करेगा। भारत वैश्विक स्तर पर लागू और भेदभावहीन परमाणु नि:शस्त्रीकरण के प्रति वचनबद्ध है, ताकि परमाणु हथियारों से मुक्त विश्व की रचना हो सके। भारत ने एन.पी.टी. (NPT) को हमेशा भेदभावपूर्ण माना और इस पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया। मई 1974 में भारत का पहला परमाणु - परीक्षण शांतिपूर्ण विस्फोट माना गया और भारत ने परमाणु - शक्ति को केवल शांतिपूर्ण उद्देश्यों को पूरा करने के लिए प्रयोग करने पर जोर दिया।

(ii) विदेश नीति के मामलों पर सर्व-सहमति - पंडित नेहरू ने राष्ट्रीय एजेंडा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाई। नेहरू ने पंचशील सिद्धांतों पर आधारित शांतिपूर्ण अस्तित्व की विदेश नीति का अनुसरण किया। इस नीति के आधार पर भारत ने गुटनिरपेक्षता को अपनाया तथा वर्तमान समय तक भारत अपनी इस नीति पर चल रहा हैं।

19. 'जेपी' के नाम से प्रसिद्ध लोकनायक जयप्रकाश नारायण का जन्म सन् 1902 में हुआ था। वे गाँधीवादी विचारधारा के साथ - साथ समाजवाद एवं मार्क्सवाद से प्रभावित थे। वस्तुतः वे युवावस्था में मार्क्सवादी थे। उन्होंने स्वराज्य के संघर्ष के दिनों में कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी तथा कालान्तर में सोशलिस्ट पार्टी की नींव रखी। वे इस दल के महासचिव के पद पर रहे।

महत्त्वपूर्ण कार्य व उपलब्धियाँ - वे सन् 1942 में गाँधीजी द्वारा छेड़े गए भारत छोड़ो आन्दोलन के महानायक बन गए। उन्हें स्वतंत्रता के बाद जवाहरलाल नेहरू के राजनीतिक उत्तराधिकारी के रूप में देखा गया। उन्होंने विनोबा भावे के भू-आन्दोलन में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्हें कई बार नेहरू मंत्रिमण्डल में शामिल होने के लिए कहा गया, परन्तु उन्होंने ऐसा करने से इंकार कर दिया। वे एक लोकनायक थे।

उन्होंने सन् 1955 ई. में सक्रिय राजनीति का त्याग कर दिया। उन्होंने नागा विद्रोहियों से सरकार की ओर से सुलह की बातचीत की। उन्होंने कश्मीर में शान्ति के प्रयास किए। उन्होंने चम्बल घाटी के डकैतों से सरकार के समक्ष आत्म-समर्पण कराया। उन्होंने सन् 1970 के दशक में चलाए गए बिहार आन्दोलन का नेतृत्व स्वीकार किया। वे इंदिरा गाँधी द्वारा लगाए गए आपातकाल के घोर विरोधी बन गये थे। उन्होंने जनता पार्टी के गठन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। सन् 1979 में उनका निधन हो गया।

20. 1980 में भारतीय जनता पार्टी का गठन किया गया। यह पार्टी भारतीय जनसंघ से अलग होकर बनी थी तथा इस पार्टी ने राष्ट्रवाद, पंथनिरपेक्षता, गांधीवादी समाजवाद, समान नागरिक संहिता को अपने चुनावी एजेण्डे में स्थान दिया। 1986 में भाजपा ने मुस्लिम महिला अधिनियम पर कांग्रेस पार्टी पर तुष्टीकरण का आरोप लगाया है। 1990 में राष्ट्रीय मोर्चा सरकार को भाजपा ने बाहर से समर्थन दिया। 1992 में लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में रामजन्म भूमि अध्योध्या में राम मंदिर बनाने को लेकर कट्टर हिंदुवादी नीति पर यह पार्टी आगे बढ़ी। इसके परिणामस्वरूप 1996 में यह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एक गठबंधन सरकार का गठन भाजपा द्वारा किया गया तथा 1998 में ही राजग का गठन किया गया। 1999 में एक बार फिर वाजपेयी के नेतृत्व में राजग ने अपनी सरकार बनाई। इस सरकार ने अपना कार्यकाल पूरा किया। 2014 व 2019 में एक बार फिर राजग ने नेरन्द्र मोदी के नेतृत्व में अपनी सरकार बनाई हैं।

खण्ड-"द"

निबन्धात्मक प्रश्न -

21. विश्वयुद्ध की समाप्ति के कारण कुछ भी हों, लेकिन इसका परिणाम यही हुआ कि वैश्विक राजनीति के मंच पर दो महाशक्तियों का उदय हो गया। जर्मनी और जापान हार चुके थे और यूरोप तथा शेष विश्व विध्वंस की मार झेल रहे थे। अब अमरीका और सोवियत संघ विश्व की सबसे बड़ी शक्ति थे। इनके पास इतनी क्षमता थी कि विश्व की किसी भी घटना को प्रभावित कर सकें। अमरीका और सोवियत

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

संघ का महाशक्ति बनने की होड़ में एक-दूसरे के मुकाबले खड़ा होना शीतयुद्ध का कारण बना। शीतयुद्ध शुरू होने के पीछे यह समझ भी काम कर रही थी कि परमाणु बम से होने वाले विध्वंस की मार झेलना किसी भी राष्ट्र के बूते की बात नहीं। यह एक सीधा-सादा लेकिन असरदार तर्क था । जब दोनों महाशक्तियों के पास इतनी क्षमता के परमाणु हथियार हों कि वे एक-दूसरे को असहनीय क्षति पहुँचा सकें तो ऐसे में दोनों के बीच रक्तरंजित युद्ध होने की संभावना कम रह जाती है। उकसावे के बावजूद कोई भी पक्ष युद्ध का जोखिम मोल लेना नहीं चाहेगा क्योंकि युद्ध से राजनीतिक फायदा चाहे किसी को भी हो, लेकिन इससे होने वाले विध्वंस को औचित्यपूर्ण नहीं ठहराया जा सकता।

परमाणु युद्ध की सूरत में दोनों पक्षों को इतना नुकसान उठाना पड़ेगा कि उनमें से विजेता कौन है - यह तय करना भी असंभव होगा। अगर कोई अपने शत्रु पर आक्रमण करके उसके परमाणु हथियारों को नाकाम करने की कोशिश करता है तब भी दूसरे के पास उसे बर्बाद करने लायक हथियार बच जाएंगे। इसे 'अपरोध' (रोक और संतुलन) का तर्क कहा गया। दोनों ही पक्षों के पास एक-दूसरे के मुकाबले और परस्पर नुकसान पहुँचाने की इतनी क्षमता होती है कि कोई भी पक्ष युद्ध का खतरा नहीं उठाना चाहता। इस तरह, महाशक्तियों के बीच गहन प्रतिद्वन्द्विता होने के बावजूद शीतयुद्ध रक्तरंजित युद्ध का रूप नहीं ले सका। इसकी तासीर ठंडी रही । पारस्परिक 'अपरोध' की स्थिति ने युद्ध तो नहीं होने दिया, लेकिन यह स्थिति पारस्परिक प्रतिद्वन्द्विता को न रोक सकी।

अथवा

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात विश्व पूँजीवाद व साम्यवाद के बीच विभाजित था। 1940 के दशक में एशिया में नवीन स्वतंत्र देशों का उद्भव हुआ। इसी क्रम में अलगे दो दशक में अफ्रीकी व लेटिन अमरीकी देश भी उपनिवेशवाद से स्वतंत्र हुए। इन सभी देशों पर पूँजीवादी व साम्यवादी दोनों में से किसी एक गुट में शामिल होने का दबाव था ऐसे में भारत, मिश्र व युगोस्लाविया के नेता नेहरू, नासिर व टीटो ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन को जन्म दिया। गुटनिरपेक्षता का अर्थ किसी भी गुट में शामिल न होकर अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का अनुसरण करना है। गुटनिरपेक्षता का अभिप्राय शीतयुद्धकालीन पूँजीवादी व साम्यवादी खेमों से पृथक रहना था तथा शीतयुद्ध को रोकना था। गुटनिरपेक्ष आंदोलन का पहला शिखर सम्मेलन, 1961 को बेलग्रेड में हुआ था। इसमें 25 अफ्रीकी, एशियाई राष्ट्रों तथा एक यूरोपीय राष्ट्र ने भाग लिया था। एशिया व अफ्रीका के नव स्वतंत्र राष्ट्र न तो पूँजीवादी विचारधारा को अपनाना चाहते थे और न ही साम्यवादी विचारधारा को इसलिए उन्होंने दोनों से पृथक रहकर शक्ति राजनीति, शीतयुद्ध, साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद, नव उपनिवेशवाद, नस्ल भेद, शस्त्र दौड़, तथा परमाणु प्रयोग के विरूद्ध एक आंदोलन छेड़ दी।

गुटनिरपेक्षता का मतलब 'पृथकतावाद' नहीं। 'पृथकतावाद' का अर्थ होता है अपने को अंतर्राष्ट्रीय मामलों से काटकर रखना। 1787 से 1814 तक अमेरिका ने 'पृथकतावाद' की विदेश-नीति अपनाई थी। इसके विपरीत गुटनिरपेक्ष देशों ने शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच मध्यस्थता में सक्रिय भूमिका निभाई। गुटनिरपेक्ष देशों की ताकत की जड़ उनकी आपसी एकता और महाशक्तियों द्वारा अपने-अपने खेमें में शामिल करने की पुरजोर कोशिशों के बावजूद ऐसे किसी खेमें में शामिल न होने के उनके संकल्प में हैं।

गुटनिरपेक्ष का अर्थ तटस्थता का धर्म निभाना भी नहीं है। 'तटस्थता' का अर्थ होता है मुख्यत: युद्ध में शामिल न होने की नीति का पालन करना। ऐसे देश युद्ध में संलग्न नहीं होतें और न ही युद्ध के सही-गलत होने के बारे में उनका कोई पक्ष होता है। दरअसल कई कारणों से गुटनिरपेक्ष देश, युद्ध में शामिल हुए हैं। इन देशों ने दूसरे देशों के बीच युद्ध को होने से टालने के लिए काम किया है और हो रहे युद्ध के अंत के लिए प्रयास किए है।

22. एक लम्बे समय में बना यूरोपीय संघ आर्थिक सहयोग वाली व्यवस्था से बदलकर ज्यादा से ज्यादा राजनीतिक रूप लेता गया है। अब यूरोपीय संघ स्वयं काफी हद तक एक विशाल राष्ट्र-राज्य की तरह ही काम करने लगा है। हाँलाकि यूरोपीय संघ का एक संविधान बनाने की कोशिश तो असफल हो गई लेकिन इसका अपना झंडा, गान, स्थापना दिवस और अपनी मुद्रा है। अन्य देशों से संबंधों के मामले में इसने काफी हद तक साझी विदेश और सुरक्षा नीति भी बना ली है। यूरोपीय संघ का आर्थिक, राजनीतिक कूटनीतिक तथा सैनिक प्रभाव बहुत जबरदस्त है। 2016 में यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी और इसका सकल घरेलू उत्पादन 17000 अरब डालर से ज्यादा था जो अमरीका के ही लगभग है। इसकी मुद्रा यूरो अमरीकी डालर के प्रभुत्व के लिए खतरा बन सकती है। विश्व व्यापार में इसकी हिस्सेदारी अमरीका से तीन गुनी ज्यादा है और इसी के चलते यह अमरीका और चीन से व्यापारिक विवादों में पूरी धौंस के साथ बात करता है। इसकी आर्थिक शक्ति का प्रभाव इसके नजदीकी देशों पर ही नहीं, बल्कि एशिया और अफ्रीका के दूर-दराज के मुल्कों पर भी है। यह विश्व व्यापार संगठन जैसे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठनों के अंदर एक महत्त्वपूर्ण समूह के रूप में काम करता है। यूरोपीय संघ का एक सदस्य फ्रांस सुरक्षा परिषद् का स्थायी सदस्य है। यूरोपीय संघ के कई और देश सुरक्षा परिषद् के अस्थायी सदस्यों में शामिल हैं। इसके चलते यूरोपीय संघ अमरीका समेत सभी मुल्कों की नीतियों को प्रभावित करता है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम से संबंधित

UTKARSH CLASSES
Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

अमरीकी नीतियों को हाल के दिनों में प्रभावित करना इसका एक उदाहरण है। चीन के साथ मानवाधिकारों के उल्लंघन और पर्यावरण विनाश के मामलों पर धमकी या सैनिक शक्ति का उपयोग करने की जगह कूटनीति, आर्थिक निवेश और बातचीत की इसकी नीति ज्यादा प्रभावी साबित हुई है। सैनिक ताकत के हिसाब से यूरोपीय संघ के पास दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी सेना है। इसका कुल रक्षा बजट अमरीका के बाद सबसे अधिक है। यूरोपीय संघ के देश फ्रांस के पास अनुमानित करीब 335 परमाणु हथियार हैं। अंतरिक्ष विज्ञान और संचार प्रौद्योगिकी के मामले में भी यूरोपीय संघ का दुनिया में दूसरा स्थान है।

अथवा

बांडुंग सम्मेलन और गुटनिरपेक्ष आंदोलन इत्यादि के माध्यम से एशिया और तीसरी दुनिया के देशों में एकता कायम करने के प्रयास अनौपचारिक स्तर पर सहयोग और मेलजोल कराने के मामले में कारगर नहीं हो रहे थे। इसी के चलते दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों ने दक्षिण-पूर्व एशियाई संगठन (आसियान) बनाकर एक वैकल्पिक पहल की।

1967 में इस क्षेत्र के पाँच देशों ने बैंकॉक घोषणा पर हस्ताक्षर करके 'आसियान' की स्थापना की। ये देश थे इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलिपींस, सिंगापुर और थाईलैंड। 'आसियान' का उद्देश्य मुख्य रूप से आर्थिक विकास को तेज करना और उसके माध्यम से सामाजिक और सांस्कृतिक विकास हासिल करना था। कानून के शासन और संयुक्त राष्ट्र के कायदों पर आधारित क्षेत्रीय शांति और स्थायित्व को बढ़ावा देना भी इसका उद्देश्य था। बाद के वर्षों में ब्रूनेई दारुस्सलाम, वियतनाम, लाओस, म्यांमार और कंबोडिया भी आसियान में शामिल हो गए तथा इसकी सदस्य संख्या दस हो गई।

बुनियादी रूप से आसियान एक आर्थिक संगठन था और वह ऐसा ही बना रहा। आसियान क्षेत्र की कुल अर्थव्यवस्था अमरीका, यूरोपीय संघ और जापान की तुलना में काफी छोटी है पर इसका विकास इन सबसे अधिक तेजी से हो रहा है। इसके चलते इस क्षेत्र में और इससे बाहर इसके प्रभाव में तेजी से वृद्धि हो रही है। आसियान आर्थिक समुदाय का उद्देश्य आसियान देशों का साझा बाजार और उत्पादन आधार तैयार करना तथा इस इलाके के सामाजिक और आर्थिक विकास में मदद करना है। यह संगठन इस क्षेत्र के देशों के आर्थिक विवादों को निपटाने के लिए बनी मौजूदा व्यवस्था को भी सुधारना चाहता है।

आसियान की मौजूदा आर्थिक शक्ति, खास तौर से भारत और चीन जैसे तेजी से विकसित होने वाले एशियाई देशों के साथ व्यापार और निवेश के मामले में उसकी प्रासंगिकता ने इसे और भी आकर्षक बना दिया है। लेकिन हाल के वर्षों में भारत ने अपनी नीति सुधारने की कोशिश की है। भारत ने तीन आसियान सदस्यों, मलेशिया, सिंगापुर और थाईलैंड के साथ मुक्त व्यापार का समझौता किया है। 2010 में आसियान-भारत मुक्त व्यापार क्षेत्र व्यवस्था लागू हुई।

23. सरदार वल्लभ भाई पटेल भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के एक प्रमुख नेता थे। ये स्वतंत्र भारत के प्रथम उपप्रधानमंत्री एवं प्रथम गृहमंत्री रहे। ये मौलिक अधिकार, अल्पसंख्यक, प्रांतीय संविधान आदि से सम्बन्धित संविधान सभा की महत्वपूर्ण समितियों के सदस्य रहे।

इनकी देशी रियासतों को भारत संघ में मिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका रही, सरदार वल्लभ भाई पटेल को 'लौह पुरुष' कहा जाता है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् रियासतों को भारत में विलय करना सरल कार्य नहीं था। इस कार्य में प्रमुख बाधा थीं - जिन्ना द्वारा स्वयं को पूर्ण स्वतंत्र करना व भारत तथा पाकिस्तान दोनों से सम्बन्ध रखना। परन्तु सरदार पटेल ने असाधारण योग्यता का परिचय दिया।

5 जुलाई, 1947 ई. को सरदार पटेल की अध्यक्षता में 'स्टेट विभाग' की स्थापना की गयी। स्वतंत्र भारत के प्रथम गृह मंत्री की हैसियत से पटेल ने सबसे पहले 565 रजवाड़ों का भारत संघ में विलय करना ही अपना पहला कर्तव्य समझा। सरदार पटेल के प्रयासों से शांतिपूर्ण बातचीत के माध्यम से लगभग समस्त रियासतें जिनकी सीमाएं स्वतंत्र भारत की नयी सीमाओं से मिलती थीं, 15 अगस्त 1947 से पहले ही भारतीय संघ में सम्मिलित हो गए।

अधिकांश रियायतों के शासकों ने भारतीय संघ में अपने विलय के एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस सहमति पत्र को 'इंस्ट्रूमेंट ऑफ़ एक्सेशन' कहा गया। जूनागढ़, हैदराबाद व कश्मीर की रियासतों का भारत में विलय करने के लिए सरदार पटेल को सेना की सहायता भी लेनी पड़ी। जूनागढ़ गुजरात के दक्षिण - पश्चिम में स्थित एक छोटी सी रियासत थी। इस रियासत की जनता मुख्यत हिन्दू थी तथा इसका नबाव मुसलमान था। वह पाकिस्तान में मिलना चाहता था जबकि जनता भारत में। सरदार पटेल ने नबाव पर जनमत संग्रह कराने का दबाव डाला। नबाव द्वारा असहमत होने पर सरदार पटेल ने सेना की सहायता से जूनागढ़ रियासत का भारत में विलय कराया।

हैदराबाद भारत के दक्षिण में स्थित एक विशाल राज्य था। यहाँ का शासक जिसे निजाम कहा जाता था, वह आजाद रियासत का दर्जा चाहता था। जनता निजाम के अत्याचारी शासन से परेशान थी। वह भारत में मिलना चाहती थी। सरदार पटेल के प्रयासों से निजाम को

UTKARSH CLASSES
Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

आत्मसमर्पण करना पड़ा और यह रियासत भी भारत में सम्मिलित हो गयी। इसी प्रकार कश्मीर का भारत में विलय हुआ।
कश्मीर का हिन्दू शासक भारत में शामिल नहीं होना चाहता था। उसने अपने स्वतंत्र राज्य के लिए भारत और पाकिस्तान के साथ समझौता करने की कोशिश की। पाकिस्तान के घुसपैठियों से परेशान होकर यहाँ के शासक ने भारत से मदद मांगी और भारत संघ में विलय के दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर दिए।

अथवा

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेताओं ने भारत - विभाजन का विरोध किया। गाँधीजी ने तो यहाँ तक कह दिया था कि 'पाकिस्तान का निर्माण उनकी लाश पर होगा।' फिर भी भारत का विभाजन होकर ही रहा। कुछ विचारक जिन्ना को भारत विभाजन हेतु उत्तरदायी मानते हैं। यह बात एक हद तक ठीक भी है क्योंकि जिन्ना की हठधर्मिता के कारण ही भारत-विभाजन की स्थिति निर्मित हुई थी।
भारत के विभाजन के सम्बन्ध में प्रश्न यह है कि क्या भारत का विभाजन अनिवार्य था और उसे टाला नहीं जा सकता था, इसके उत्तर में दो पक्ष हैं। मौलाना अबुल कलाम आजाद ने अपनी पुस्तक 'इण्डिया विन्स फ्रीडम' में यह विचार रखा कि भारत-विभाजन अनिवार्य नहीं था तथा नेहरू व पटेल ने उसे अपनी व्यक्तिगत इच्छाओं के आधार पर ही स्वीकार किया था।
दूसरे पक्ष का विचार यह है कि विभाजन को टाला नहीं जा सकता था तथा उन परिस्थितियों में विभाजन अनिवार्य ही था। यह विचार सत्य के अधिक समीप दिखाई पड़ता है क्योंकि उन परिस्थितियों में भारत-विभाजन अपरिहार्य ही हो गया था जैसा कि साम्प्रदायिक दंगों ने कांग्रेस के नेताओं को यह विश्वास दिला दिया था कि अविभाजित भारत की कल्पना अव्यावहारिक है।

भारत और पाकिस्तान विभाजन के निम्नलिखित परिणाम सामने आए -

(i) आबादी का स्थानान्तरण - भारत-पाकिस्तान विभाजन के बाद आबादी का स्थानान्तरण आकस्मिक, अनियोजित और त्रासदीपूर्ण था। मानव-इतिहास के अब तक ज्ञात सबसे बड़े स्थानान्तरणों में से यह एक था। धर्म के नाम पर एक समुदाय के लोगों ने दूसरे समुदाय के लोगों को अत्यन्त बेरहमी से मारा। इस दौरान लगभग 5 लाख लोग मारे गए।

(ii) घर - परिवार छोड़ने के लिए विवश होना - विभाजन के फलस्वरूप लोग अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर हो गए। दोनों ही तरफ के अल्पसंख्यक अपने घरों से भाग खड़े हुए तथा अक्सर अस्थाई तौर पर उन्हें शरणार्थी शिविरों में रहना पड़ा। वहाँ की स्थानीय सरकार व पुलिस इन लोगों से बेरुखी का बर्ताव कर रही थी। लोगों को सीमा के दूसरी तरफ जाना पड़ा और ऐसा उन्हें हर हाल में करना था, यहाँ तक कि लोगों ने पैदल चलकर यह दूरी तय की।

(iii) महिलाओं व बच्चों पर अत्याचार - विभाजन के फलस्वरूप सीमा के दोनों ओर हजारों की संख्या में औरतों को अगवा कर लिया गया। उन्हें जबर्दस्ती शादी करनी पड़ी तथा अगवा करने वाले का धर्म भी अपनाना पड़ा। कई परिवारों में तो खुद परिवार के लोगों ने अपने 'कुल की इज्जत' बचाने के नाम पर घर की बहू-बेटियों को मार डाला। बहुत से बच्चे अपने माता - पिता से बिछुड़ गए।

(iv) भौतिक सम्पत्ति का बँटवारा - विभाजन के कारण 80 लाख लोगों को अपना घर छोड़कर सीमा पार जाना पड़ा तथा वित्तीय सम्पदा के साथ-साथ टेबिल, कुर्सी, टाइपराइटर और पुलिस के वाद्ययंत्रों तक का बँटवारा हुआ। सरकारी और रेलवे कर्मचारियों का भी बँटवारा हुआ। इस प्रकार साथ-साथ रहते आए दो समुदायों के बीच यह एक हिंसक और भयावह विभाजन था।

(v) अल्पसंख्यकों की समस्या - विभाजन के समय सीमा के दोनों तरफ 'अल्पसंख्यक' थे। जिस जमीन पर वे और उनके पूर्वज सदियों तक रहते आए थे। उसी जमीन पर वे 'विदेशी' बन गए थे। जैसे ही देश का बँटवारा होने वाला था वैसे ही दोनों तरफ के अल्पसंख्यकों पर हमले होने लगे। इस कठिनाई से उबरने के लिए किसी के पास कोई योजना भी नहीं थी।

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

#अब कामयाबी पर होगा सबका हक़

UTKARSH CLASSES

CLASS 6-12

Smart e-Learning Programme

उत्कर्ष एप से घर बैठे कीजिए ऑनलाइन ट्यूशन और बनिए क्लास में टॉपर

उत्कर्ष एप में गुणवत्तामूलक स्कूली शिक्षा के ऑनलाइन कोर्सेस नाममात्र के शुल्क में उपलब्ध

QR Code Scan कर आज ही **'उत्कर्ष एप'** डाउनलोड करें

Academic Session 2022-23

Class VI-VIII	~~₹10,000~~	₹1999	CBSE | RBSE & Other 7 State Boards
Class IX-X	~~₹15,000~~	₹2999	
Class XI-XII	~~₹18,000~~	₹3499	

₹1200/- per subject Live	₹600/- per subject Recorded

Class XI-XII
(Science, Commerce & Arts)

• **LIVE & Recorded Classes** • **English & Hindi Medium**

आज से ही बनाएँ अपनी पढ़ाई को और बेहतर
Utkarsh Online Tuition के साथ

उत्कर्ष एप ही क्यों ?

- विख्यात व अनुभवी विषय-विशेषज्ञों की टीम
- फैकल्टी द्वारा हस्तलिखित पैनल PDF & e-Notes
- नियमित टेस्ट द्वारा मूल्यांकन (MCQs & Self Assessment)
- टॉपिकवाइज़ क्विज़ एवं उनका वीडियो व्याख्यान
- Live Poll during interactive classes.
- 4K डिजिटल पैनल पर इंटरैक्टिव कक्षाएँ
- 360° Rapid Revision.

15 M + SUBSCRIBERS

2 M + SUBSCRIBERS

10 M + DOWNLOADS

1 M + FOLLOWERS

UTKARSH CLASSES

www.utkarsh.com support@utkarsh.com